हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शनिवार 25 अप्रैल 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर श्री धोटे ने की राजस्व कार्यों की समीक्षा

लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

मंडला। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने गोलमेज कक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा, लैंड बैंक, और राजस्व वसूली जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ सहित समस्त एसडीएम और तहसीलदार उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री धोटे ने तहसीलवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि न्यायालयों में चल रहे प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में हो। तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए एसएलआर को तत्काल प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आगामी 30 जून तक सीमांकन के सभी लंबित कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बंटवारा होने के तुरंत बाद राजस्व रिकॉर्ड दुरुस्त करने और 3 माह से अधिक पुराने प्रकरणों को शून्य करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि जिले की सभी शासकीय भूमियों से शत-प्रतिशत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिले में राजस्व व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कलेक्टर श्री धोटे ने अपर कलेक्टर को जिले का विस्तृत लैंड बैंक तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुराने भू-अभिलेखों के डिजिटलाइजेशन और स्कैनिंग कार्य में तेजी लाते हुए आगामी 5 दिनों के भीतर स्कैनिंग कार्य पूर्ण करें। कलेक्टर श्री धोटे ने आगामी 15 दिनों में फॉर्मर आईडी के कार्य में 65 प्रतिशत प्रगति लाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी अनिवार्य रूप से फील्ड में रहकर ग्राम पंचायतों के समन्वय से इस कार्य को पूर्ण करें। उन्होंने शिकायतों के निराकरण में जिले को ए ग्रेड दिलाने के लिए अधिकारियों को मुस्तैदी से कार्य करने को कहा गया है।

सडक़ हादसे में मजदूर की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। देर रात सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम चौरापाठा के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने दो बाइकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बाइक सवार की ही मौत हो गई। रेलवे रैक पॉइंट केवलारी में मजदूरी करने के बाद तीन लोग एक बाइक से अपने गांव सुनेहरा लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से एक अन्य बाइक सवार, जो ग्राम सांवरी से सिरोली की ओर जा रहा था, चौरापाठा के पास पहुंचा ही था कि अचानक सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने दोनों बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में संदीप नंदा (40) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रोहित भांवरे (35), संदीप उइके (34) और भैयालाल पूसाम (40) गंभीर रूप से घायल हो गए।

पग-पग के संघर्ष से शिखर तक पहुंचा जा सकता है - मंत्री श्रीमती उइके

होनहार विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में शामिल हुई मंत्री श्रीमती उइके

मंडला

जिला योजना भवन मंडला में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में पीएचई मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्रदेश प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि वे आज इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब मंडला जिले को शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा माना जाता था, लेकिन आज यहां के विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सतत प्रोत्साहन ने जिले को प्रदेश स्तर पर एक नई पहचान दिलाई है। यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है।

मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के जरिए शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, जो अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल विद्यार्थियों को 11-11 हजार रुपये तथा जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 7-7 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

संघर्ष से सफलता तक की प्रेरक कहानी

अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभव साझा करते हुए मंत्री श्रीमती उइके ने बताया कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की। उन्हें प्रतिदिन लगभग आठ किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था। उस समय न तो पर्याप्त संसाधन थे और न ही आज जैसी सुविधाएं उपलब्ध थीं। उन्होंने एक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि बम्हनी जाते समय एक बार बंजर नदी में डूबने की स्थिति बन गई थी। घर लौटने पर परिजनों की डांट के बावजूद उन्होंने और उनकी सहेलियों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में प्रशासनिक सेवा या राजनीति के माध्यम से समाज सेवा करेंगी।

पढ़ाई के बाद विवाह उपरांत गांव के लोगों की प्रेरणा से उन्होंने राजनीति में कदम रखा और सरपंच का चुनाव जीतकर सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की। वर्ष 2004 में वे जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। उस समय उन्हें बम्हनी की घटना याद आई और उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री, सांसद एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से वहां पुल निर्माण करवाया। आज वह पुल क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रहा है और आवागमन में किसी प्रकार की समस्या नहीं होती। उन्होंने कहा कि जीवन में लिया गया एक दृढ़ संकल्प ही आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। पग-पग के संघर्ष से शिखर तक पहुंचा जा सकता है। विद्यार्थियों को भी अपने लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए, सरकार उनकी हर संभव सहायता के लिए तत्पर है।

प्रेरणा बनीं दिव्यांग छात्रा

मंत्री श्रीमती उइके ने कक्षा 12वीं में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण दिव्यांग छात्रा द्रौपदी धुर्वे की विशेष सराहना की, जिन्होंने अपने पैरों से लिखकर परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने कहा कि द्रौपदी हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं। मंत्री श्रीमती उइके ने अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने समारोह में अपने विद्यार्थी जीवन से लेकर प्रशासनिक सेवा तक की यात्रा साझा करते हुए विद्यार्थियों को संघर्ष, धैर्य और संकल्प का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि कक्षा 10वीं में उन्होंने जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। उस समय तत्कालीन कलेक्टर श्री मलय श्रीवास्तव द्वारा स्कूल में सम्मान समारोह आयोजित किया गया था, लेकिन किसी कारणवश वे स्वयं उपस्थित नहीं हो सके और उन्होंने सहायक कलेक्टर (आईएएस) पी. नरहरि सर को भेजा। उसी कार्यक्रम में पहली बार उनकी मुलाकात हुई। उन्होंने मुझसे पूछा क्या बनना है ? मैंने बिना झिझक कहा कलेक्टर। उन्होंने पीठ थपथपाते हुए कहा बन जाओगे।

कलेक्टर श्री धोटे ने बताया कि उनकी पारिवारिक आर्थिक स्थिति सामान्य थी, लेकिन माता-पिता ने कभी पढ़ाई में बाधा नहीं बनने दी। उनकी माता ने टिफिन सेंटर और सिलाई सेंटर चलाकर परिवार को सहारा दिया। माता-पिता ने उन्हें एक बात सिखाई, संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता, जिसे उन्होंने जीवन का मंत्र बना लिया। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने इंजीनियरिंग की और फिर दिल्ली जाकर यूपीएससी की तैयारी शुरू की। लेकिन सफलता का रास्ता आसान नहीं था। पहले और दूसरे प्रयास में वे प्रारंभिक परीक्षा भी पास नहीं कर सके। तीसरे प्रयास में इंटरव्यू तक पहुँचे, लेकिन अंतिम सूची में नाम नहीं आया। चौथे प्रयास में फिर प्री परीक्षा में असफलता मिली।

उन्होंने स्वीकार किया कि उस समय मन में कई बार हार मानने का विचार आया, लगा कि अब वापस लौट जाना चाहिए। लेकिन माता-पिता के विश्वास और प्रोत्साहन ने उन्हें टूटने नहीं दिया। उन्होंने फिर से पूरी ताकत के साथ प्रयास किया और अंततः सफलता हासिल की।

कलेक्टर श्री धोटे ने विद्यार्थियों से कहा, आपकी और मेरी कहानी बहुत अलग नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि आप अपनी कहानी कैसे लिखते हैं। इस उम्र का हर दिन, हर निर्णय आपके भविष्य को तय करता है। अगर आपने संकल्प ले लिया, तो मंज़िल दूर नहीं है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा में जिले का प्रदेश में चौथा और हायरसेकेंडरी परीक्षा में छटवा स्थान है।

इन विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश स्तरीय प्रावीण्य सूची में कु. याग्या उमरे, उमेश पड़वार, कु. अदिति विभा उसराठे, कु. कृतिका तिवारी, कु. पूजा धुर्वे, नमन जंघेला, संभव जैन तथा हायरसेकेंडरी की कु. कृति साहू को सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार हाईस्कूल के जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची की कु. अनन्या पटेल, साहिल बघेल, कु. राहिन खान, कु. आदया अग्रवाल, कु. एलिजा खान, कु. अनामिका झारिया, कु. याग्ना अहिरवार, कु. रिचा पटेल तथा हायरसेकेंडरी की कु. स्वाती श्रीवास, कु. मीना तिलगाम, कु. भूमिका मरकाम, कु. अनुष्का अग्रवाल, कु. शगुन पटेल, गौरव प्रसाद पटेल, कु. रिचा पटेल, हर्ष बन्देवार, कु. साक्षी साहू, कु. श्वेता केवट, कु. आस्था अग्रवाल, माखन भांवरे एवं कु. कीर्ति साहू को प्रशस्ति पत्र और पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया।

सम्राट अशोक की जयंती मनाना भूली सरकार

अशोक चक्र से मिलती प्रेरणा

नैनपुर (एक्सप्रेस) इतिहास हमारे जीवन में वह पल होता है जहां हम कुछ करने के लिए आगे बढ़ने के लिए अपने इतिहास से प्रेरणा लेते हैं, समाज में युवाओं को इससे प्रेरणा मिलकर आगे बढ़ती है आज इसी बातों को लेकर सम्राट अशोक की जयंती का आयोजन सरदार पटेल भवन मंडल में आयोजित किया गया कार्यक्रम के अध्यक्षता अधिवक्ता सी बी पटेल के द्वारा की गई वहीं विशिष्ट अतिथि में विमलेश सोनी अति पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एवं सचिव पिछड़ा समाज पार्टी भोपाल उपस्थित हुए, सभी ने सम्राट अशोक की जीवन परिचय पर प्रकाश डाला कुंज बिहारी पटेल ने अपनी बात रखते हुए कहा अखंड भारत के सम्राट रहे अशोक अपनी शोर्य और प्रतापी ऊर्जा के कारण जाने जाते थे उनकी रहते उनके साम्राज्य की कभी किसी ने आंख उठाकर नहीं देखा वही अधिवक्ता संजय चौरसिया ने अपनी बात रखते हुए कहा ओबीसी वर्ग से आने वाले सम्राट अशोक अपने समाज के लिए सदैव अग्रणी रहे एवं सर्व समाज के प्रेरणा के स्त्रोत बने और समाज को जाग्रत करने का कार्य किया है, वही पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विमलेश सोनी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि वर्तमान में सम्राट अशोक के द्वारा किए गए समाज सुधार के कार्यों से हमें प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए लोग अखंड भारत की बात जरूर करते हैं पर अखंड भारत का शासक कौन था यह नहीं बताते हैं जबकि उनका अशोक स्तंभ रूपयों की शान बना है और चक्र तो अत्याचारों का दमन कर रहा है पर चाहे प्रदेश की सरकार हो या देश की सरकार हो सम्राट अशोक की जयंती मनाने में कतरा रही है हम अपने महापुरुषों को जरूर याद करते हैं क्योंकि उनका इतिहास हमे आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं जो हमारा समाज हमारा परिवार जानकर उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़े ऐसे ही हमारे प्रेरणा सूत्र सम्राट अशोक सदैव बने रहेंगे पिछड़ा समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त नामदेव ने बात रखते हुए कहा की बड़ी मुश्किल से पिछड़ा वर्ग अब एक हो चला है कुछ दिन तो उन्होंने ब्रह्मपाल की रखा था कि वह सामान्य हो गए हैं पर ऐसा नहीं है अब सरकार भी ओबीसी वर्ग की अपेक्षा नहीं कर सकती भविष्य में होने वाली जनगणना जातिगत होगी तो वास्तव में ओबीसी वर्ग का उत्थान होगा कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे सी बी पटेल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि समाज में चेतना जरूरी है हम एक पेड़ मां का नाम तो लगा रहे हैं पर अपनी मां को एक गिलास पानी नहीं दे रहे हैं तो आखिर हम किस की मां के लिए पेड़ लगा रहे हैं जबकि हमारे खुद की मां हमारे सुखों से ओर कर्तव्य से वंचित है आपने कहा कि हम किसी पार्टी या समाज का ऐसा हिस्सा ना बने जो केवल भीड़ बढ़ाने का काम करें हम उसकी और अपने समाज की उन्नति के लिए कार्य करें कार्यक्रम के समापन के समय पनडब्बी गायिका नीतू झारिया ने सम्राट अशोक के जीवन चरित्र पर छत्तीसगढ़ी भाषा में चलचित्रण कर यह बता दिया कि वास्तव में उन्हें महान क्यों कहा जाता है और कलिंग युद्ध के बाद उन्हें गौतम बुद्ध से प्रेरणा मिली और उन्हें बौद्ध धर्म को अपना लिया उन्हें युद्ध से मार्केट से घृणा हो गई पर जब तक उनका जीवन रहा दूसरे राजा ने हमारे अखंड भारत की ओर आंख उठाकर नहीं देखा

भीषण गर्मी में सेहत की ढाल:

बच्चों, नवजात शिशुओं, गर्भवती महिलाओं और डायबिटीज मरीजों के लिए जरूरी गाइड

मंडला जिले में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है और ऐसे में गर्मी का असर हर उम्र वर्ग पर साफ दिखने लगा है। खासतौर पर नवजात शिशु (0 से 6 माह), छोटे बच्चे, गर्भवती महिलाएं, डायबिटीज के मरीज और बुजुर्ग इस मौसम में सबसे ज्यादा संवेदनशील होते हैं। इस पर डायटिशियन रश्मि वर्मा कहती हैं कि "गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखना, पानी की कमी से बचाना और सही खान-पान अपनाना बेहद जरूरी है, खासकर कमजोर वर्ग के लिए।"

गर्मी में शरीर से पानी और आवश्यक लवण तेजी से निकलते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन, हीट एग्जॉशन और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए समय रहते सावधानी बरतना जरूरी है।

सबसे ज्यादा ध्यान नवजात शिशुओं पर देना जरूरी है। डायटिशियन रश्मि वर्मा के अनुसार 0 से 6 माह तक के बच्चों के लिए मां का दूध ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। इस उम्र में शिशु को अलग से पानी देने की जरूरत नहीं होती, स्तनपान कराने वाली माता को अपने दिनचर्या में तरल पदार्थ शामिल करना चाहिए हर फीड के पहले पानी या अन्य तरल पदार्थ लेना चाहिए बार-बार स्तनपान कराना ही उसे हाइड्रेटेड रखता है। शिशु को हर 1-2 घंटे में फीड कराना चाहिए। बच्चे को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखें, लेकिन सीधे पंखे या कूलर की तेज हवा से बचाएं। हल्के और सूती कपड़े पहनाएं और ज्यादा कपड़े न पहनाएं। अगर बच्चा सुस्त दिखे, बार-बार रोए, पेशाब कम करे या शरीर ज्यादा गर्म लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

छोटे बच्चों के लिए भी गर्मी में विशेष सावधानी जरूरी है। डायटिशियन रश्मि वर्मा बताती हैं कि बच्चों को दोपहर की तेज धूप से दूर रखना चाहिए और उन्हें

पर्याप्त मात्रा में पानी, छाछ, नींबू पानी और नारियल पानी देना चाहिए। जंक फूड और अधिक मसालेदार भोजन से बचाना जरूरी है, ताकि उनका पाचन तंत्र प्रभावित न हो।

गर्भवती महिलाओं के लिए यह मौसम अतिरिक्त सावधानी की मांग करता है। शरीर में पानी की कमी और कमजोरी से बचने के लिए उन्हें हर थोड़ी देर में तरल पदार्थ लेते रहना चाहिए। डायटिशियन रश्मि वर्मा सलाह देती हैं कि आयरन और कैल्शियम से भरपूर आहार लें, धूप में ज्यादा देर न रहें और पर्याप्त आराम करें।

डायबिटीज के मरीजों के लिए भी गर्मी चुनौतीपूर्ण होती है। तापमान बढ़ने से ब्लड शुगर असंतुलित हो सकता है। इस पर डायटिशियन रश्मि वर्मा कहती हैं कि नियमित शुगर जांच, समय पर दवा और संतुलित भोजन बेहद जरूरी है। मीठे पेय पदार्थों से बचते हुए सादा पानी, छाछ और हेल्दी ड्रिंक्स को अपनाना चाहिए।

बैंकर्स की जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

मंडला-जनपद बीजाडांडी एवं नारायणगंज में गुरुवार को बैंकर्स की जनपद स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। जनपद बीजाडांडी में दोपहर 1 बजे तथा नारायणगंज में सायं 4 बजे आयोजित इन बैठकों की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक श्री सुजय कुमार ने की।

बैठक में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री देबब्रत पाल, जनपद बीजाडांडी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वासंती दुबे, विभिन्न बैंकों के प्रमुखों एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें जमा वृद्धि, ऋण वितरण तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया।

अध्यक्ष ने सभी बैंकों एवं विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से सीडी रेशियो में वृद्धि करने पर बल दिया गया।

बैठक में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। जनपद स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने तथा सफल उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई।

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें- संभागायुक्त श्री सिंह

मंडला-संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने गुरूवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टरों से शासन के कार्यक्रमों एवं प्राथमिकता अभियानों के संबंध में चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों से संबंधित विभागों की विस्तार से समीक्षा की। लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, भवन विकास निगम, सेतु निर्माण, मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरना विकास निगम, जल संसाधन विभाग तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा संभाग के सभी जिलों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। सभी जिलों में चल रहे प्रगतिरत, पूर्ण, अपूर्ण कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर अप्रारंभ कार्यों के कारणों के बारे में जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि सभी निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

संभागायुक्त श्री सिंह ने एसीएस की बैठकों के निर्माण विभागों से संबंधित कार्यवाही विवरण के पालन प्रतिवेदन पर समीक्षा करते हुए जल संसाधन विभाग के विभागीय अधिकारियों से नहरों की मरम्मत व संधारण के कार्यों की भी समीक्षा की।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 एवं जल संचय जन भागीदारी 2.0 की समीक्षा के दौरान संभाग के जिलों की स्टेट रैंकिंग पर चर्चा की एवं कमिश्नर श्री सिंह द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सभी सहभागी विभागों के निर्धारित लक्ष्य अनुरूप कार्य/गतिविधियों को सतत मॉनिटरिंग करते हुए समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए कलेक्टर्स को निर्देशित किया।

वीडियो कॉफ्रेंस में राजस्व एवं सामान्य प्रशासन से जुड़े मामलों, जिसमें राजस्व न्यायालयों के लंबित प्रकरण, राजस्व वसूली, सीएम हेल्पलाईन, सीपीग्राम, सीएम तथा सीएस मॉनिट, लोक सेवा गारंटी, जीएडी, लोकायुक्त कार्यालय से प्राप्त शिकायतों, लंबित विभागीय जांचों, अनुकंपा नियुक्ति और पेंशन प्रकरणों पर समीक्षा कर इन्हें समय-सीमा में निराकरण करने के साथ ही पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पूर्व में निर्मित अमृत सरोवरों को राजस्व अभिलेख में दर्ज कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

कृषि एवं संबंद्ध विभागों की समीक्षा के दौरान गेहूं उपार्जन के संबंध में समीक्षा कर विभागीय दिशा-निर्देश अनुरूप खरीदी केंद्रों की समुचित निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने और भंडारण व्यवस्था को बेहतर बनाने को कहा। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, हिरण्यगर्भा अभियान एवं क्षीरधारा ग्राम योजना की भी समीक्षा की।

नगरीय प्रशासन विभाग अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में एसबीएम 2.0 और अमृत 2.0 प्रोजेक्ट अंतर्गत कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये। संभागायुक्त ने स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा की समीक्षा के दौरान एचपीवी टीकाकरण, मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम अंतर्गत पंजीयन, गर्भवती महिलाओं में एएनसी पंजीयन की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत प्री मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति वितरण तथा अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत लंबित राहत राशि भुगतान की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन पर भी विस्तार से चर्चा कर प्रगति का जायजा लिया। समीक्षा के दौरान मण्डला एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे, अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, संयुक्त कलेक्टर श्री हुनेन्द्र घोरमारे, सीएमएचओ, ईई पीडब्ल्यूडी, ईई पीआईयू, ईईपीएचई, एसी ट्राइबल, डीडी वेटनरी, डीडी एग्रीकल्चर सहित संबंधित जिलाधिकारी शामिल हुए।

खबर संक्षेप

ट्रक ड्राईवर की गलती से कंडेक्टर की जिन्दगी आई खतरे में

गाडरवारा। वाहन चालको की जल्दबाजी व लापरवाही अपने साथियों की जिन्दगी को खतरे मे डालने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के वायपास मार्ग पर देखने मिली जहां पर ट्रक के कन्डेक्टर की जिन्दगी खतरे में पड़ गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नगर के गांधी वार्ड निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे पिता चरण सिंह मेहरा हीरा ट्रांसपोर्ट में ट्रक में कंडक्टरी का काम करते है। वह बीते हुये दिवस ट्रक क्रमांक MP09-HG-7836 से ड्राईवर अशोक कुर्मी के साथ जमाड़ा रोड में बने वेयर हाउस जा रहे थें। उसी दौरान रास्ते में क्रयोन स्कूल के आगे अचानक ट्रक बंद हो गया तो ड्राईवर ने प्रार्थी के पिता चरण सिंह से बोला कि ट्रेक के नीचे जाकर सेल्फ चैक करो तो उसी समय ट्रक ड्राईवर अशोक कुर्मी ने तेजगति लापरवाही पूर्वक तथा खतरनाक तरीके से ट्रक को आगे बढ़ा दिया जिससे प्रार्थी के पिता को गंभीर रूप से चोटे आने के कारण उपचार हेतु चिकित्सालय ले जाया गया। मगर स्थिति गंभीर होने के चलते डाक्टरों द्वारा जिला चिकित्सालय हेतु रेफर किया गया। वही घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

हाथ का चूड़ा मारकर किया घायल

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस सोहागपुर के डूढाखापा निवासी देवेन्द्र पिता गुजराज वंशकार उम्र 35 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकात दर्ज कराते हुये बताया है कि वह बीते हुये दिनों ग्राम बैरागढ़ अपने रिस्तेदार के यहां गंगाजली पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिये आया हुआ था। इसी दौरान सालीचौका निवासी नितिन बंशकार भी कार्यक्रम में आया हुआ था जो पुरानी बुराई को लेकर प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा अपने हाथ की कलाई में पेहने हुये लोहे के चूड़ा से मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घर के अंदर घुसकर मारपीट करते हुये कार को पहुंचाई क्षति

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम कामती निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे खेत के बाजू मे बसंत कौरव का खेता लगा हुआ है। बीते हुये दिवस मेरा ट्रेक्टर ड्रायवर जुगरू जाटव खेत बखरनी करने गया था जो खेत बखरते समय ड्रायवर से बखर का पंजा बसंत कौरव के खेत की मेड से लग जाने के कारण वह खुद गई थी। यह बात ड्राईवर मुझे बताने के बाद अपने घर चलाया गया था। प्रार्थी जब रात के समय अपने घर पर सो रहा था उसी दौरान गांव का बसंत कौरव तथा विनोद कौरव आये और कमरे के अंदर घुसकर मेड की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये बोले मेरे खेत की मेड पर बखर क्यो चलवाया है। वही दोनों ने एक राय होकर मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा घर के पास खड़ी हुई प्रार्थी की ईको स्पोर्ट कार क्रमांक MP20CG8743 में तोड़फोड़ करते हुये क्षति पहुंचाई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

जल विहीन नजर आ रही नहरे बनी मात्र शोभा की सुपारी

जब इनमें पानी छोड़ना ही नहीं था तो फिर करोड़ों की राशि खर्च करने का क्या औचित्य..?

किसानों के खेतों में सूख रही मूंग सहित गन्ने की फसल..

हरिभूमि न्यूज/खुलरी। शासन द्वारा चलाई जाने वाली किसी योजना का यदि समय पर किसानों को लाभ मिले तभी उस योजना का महत्व बढ़ जाता है और जन हितैषी कही जाती है। यदि उस योजना का किसानों को लाभ मिलने की जगह मात्र दिखाबा साबित हो तो निश्चित ही उस योजना का औचित्य ही समाप्त होने से नही चूकता है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र में बनी हुई नहरों को देखते हुये जान पड़ रहा है। बताया जाता है कि शासन द्वारा क्षेत्र में किसानों की भूमि का अधिग्रहण करने के साथ साथ करोड़ो की राशि खर्च करते हुये नहरों का निर्माण कराया गया था तो क्षेत्र के किसानों में इस बात की खुशी देखने मिल रही थी कि अब उन्हें अपने खेतों में सिंचाई करने के लिये पानी की समस्या से नही जूझना पड़ेगा। मगर क्षेत्र के किसानों की यह सोच मात्र एक सपना साबित होने से इसलिये नही चूक पा रही है । क्योंकि जब किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने का समय आता है तो बरगी नहर प्रबंधन द्वारा नहरों में पानी ही नही छोड़ा जाता है, जिसके चलते करोड़ो की राशि से बनी हुई क्षेत्र की यह नहरे जहां अनुपयोगी साबित होने से नही चूक पा रही है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन नहरों के संचालन को लेकर शासन द्वारा समितियों का गठन निर्वाचन प्रकिया के तहत पूर्ण किया जाता है, जिसके चलते पूर्व में गठित समितियों का कार्यकाल पूर्ण हो जाने के कारण इस समय क्षेत्र की नहर व्यवस्था अधिकारियों के भरोसे चलने के कारण मनमानी का शिकार होते हुये देखी जा रही है। इसी का परिणाम है कि किसानों को क्षेत्र में बनी इन नहरों का किसी भी प्रकार का कोई लाभ मिलते हुये दिखाई नही पड़ रहा है। इस समय किसानों द्वारा अपने खेतों में गर्मी सीजन की मूंग, गन्ना सहित अन्य फसलों की बुआई करने के साथ साथ जिन किसानों द्वारा नया गन्ना रोपित किया गया है उन्हें सिंचाई के लिये पानी की जरूरत है। मगर इन नेहरों में किसी तरह से पानी नही छोड़े जाने के चलते जहां शोभा की सुपारी बन कर रह गई है..? वही दूसरी ओर करोड़ो की लागत से बनाई गई इन नहरों में जहां तहां टूट फूट होने के साथ साथ झाडिया ऊगते हुये दिखाई दे रही है वह निश्चित तौर से विभाग की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इस स्थिति में इन नहरों का निर्माण औचित्य विहीन बन चुका है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब इन नहरों का उपयोग ही नही होना था तो फिर सरकारी धन की होली खेलने का क्या मतलब रहा होगा..? इतना नही नही यदि नहरों के निर्माण की गुणवत्ता पर नजर डाली जावे तो यह हाल देखने मिल रहा है कि बगैर उपयोग किये ही नहरे टूटते हुये अपनी गुणवत्ता को खुद ही उाजगर करने में पीछे नही है...? सही मायने में देखा जावे तो करोड़ो की लागत से बनी हुई यह नहरे क्षेत्र के किसानों के लिये औचित्य विहिन होते हुये दिखाई देने से नही चूक रही है। हैरत की बात तो यह है कि अपने निर्माण के बाद बगैर उपयोग हुये ही टूटती हुई इन नहरों की ओर न तो नहर विभाग द्वारा किसी भी तरह से ध्यान दिया जा रहा है और न ही क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा जिसके चलते जहां करोड़ो की लागत से बनी हुई नहर मात्र शोभा की सुपरी बनकर रहने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर क्षेत्र में बनाई गई नहरों के निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की सच्चाई पर गौर किया जावे तो निश्चित ही विभाग की उदासीनता के चलते जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा इन नहरों का निर्माण कार्य किया गया है उसके चलते लगातार टूटते हुये दिखाई दे रही है, जिससे क्षेत्र की नहरे अपने निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता की कहानी उजागर करने के साथ साथ उन अधिकारियों की कार्य प्रणाली को भी उजागर करने से नही चूक रही है जिनकी देख रेख में इन नहरों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया था..? जिस सोच के चलते शासन द्वारा नहरों के निर्माण के लिये क्षेत्र के सैकड़ो किसानों की भूमि अतिग्रहण करते हुये करोड़ो की राशि खर्च कर क्षेत्र में नहरों का निर्माण कराया गया है। मगर इस समय क्षेत्र के किसानों को जरूर पड़ने पर पानी नही छोड़े जाने के कारण क्षेत्र के किसानों के लिये यह नहरे अनुपयोगी साबित होते हुये दिखाई देने लगी है। क्योंकि जरूरत के समय यदि किसानों को इन नेहरों का लाभ नही मिल पा रहा है तो फिर क्षेत्र में इन नेहरों के बनाये जाने का महत्व अपने आप ही समाप्त हो जाता है। इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों द्वारा जिला कलेक्टर से मांग की गई है कि शीघ्रता से ही गाडरवारा तहसील क्षेत्र की नहरों की सफाई कराते हुये उनमें पानी छोड़ने के लिये संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये किसानों को इस परेशानी की घटी में सहायता प्रदान कराई जावे जिससे किसान अपनी फसलों को बचाने में सफल हो सके।

बसेड़िया की सर्व मंगल कामना व विश्व कल्याण की चतुर्थ महायात्रा पूर्ण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। सदा ही निःस्वार्थ व परहित के लिए कोई कार्य किया जाता है तो वह दुर्लभ व कठिन होने पर भी सहजता से पूर्ण होने से नही चूकता है। कुछ इसी भाव से विगत अमावस्या पर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश बसेड़िया ने प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सर्व मंगल व जनकल्याण की भावना के लिये राजस्थान के अमरनाथ श्री परशुराम महादेव राजस्थान की महायात्रा का शुभारंभ माँ रेवा के तट ककराघाट में विधिवत नर्मदा जी का पूजन के साथ देवी स्वरूपा कन्याओं का आर्शीवाद ग्रहण करने के उपरांत रेवा माई का जल कलश भरकर यात्रा प्रारंभ की गई थी। बताया जाता है कि इस यात्रा के प्रथम पड़ाव में सीकर राजस्थान के कलियुग के देवता खाटू श्याम का पूजन अर्चन कर सामाजिक सदभाव पर दर्शनाथियो के साथ गोष्ठी आयोजित करते हुये उन्हें समाज सेवा के लिय प्रेरित करने के साथ साथ बेटी पढ़ाओ बेटी बचाव के लिये जागरूक किया गया। वही द्वितीय दिवस पावन अक्षय तृतीया पर यह पावन यात्रा राजस्थान राज्य के पाली व राजसमंद जिले की सीमा पर दुर्गम अरावली पर्वत के 3600 फुट की ऊंचाई अति दुर्गम पहाड़ी व घने जंगलों के बीच राजस्थान का अमरनाथ भगवान परसुराम महादेव मन्दिर पहुंची। बताया जाता है कि यहां पर बसेड़िया द्वारा सुख समृद्वि के लिये सर्व मंगल कामना करते हुये विश्व कल्याण की परहित भावना से भगवान परशुराम महादेव जी का नर्मदा जल से अभिषेक कर विधिवत पूजन कर जनहितार्थ व सर्व मंगल की कामना कर आशीर्वाद लिया तथा महायात्रा का समापन तीर्थराज पुष्कर में भगवान जगत पिता ब्रह्मा जी के पूजन उपरांत हुआ। इस संबंध में बसेड़िया द्वारा चर्चा करते हुये बताया कि यहां प्राकृतिक गौ मुख से निरंतर जल की बूंदे भगवान महादेव का अभिषेक करती है, जबकि पहाड़ी में दूर दूर तक कोई झरना, जल स्त्रोत नही है। सर्व मंगल व विश्व कल्याण की परशुरामजी के दिव्य स्थलों की चार महायात्रा जनहितार्थ पूर्ण की गई जिसमे प्रथम महायात्रा भगवान श्री परशुरामजी जन्मस्थली जानापाव इंदौर 2023 में तथा द्वितीय महायात्रा भगवान श्री परशुरामजी के विशाल फरसा स्थल झारखंड टांगीनाथ धाम 2024 में की गई थी। इसके बाद तृतीय महायात्रा भगवान परशुरामजी की तपस्थली मोकामा बिहार 2025 में पूर्ण करने के बाद इस वर्ष चौथी महायात्रा राजस्थान राज्य के परशुराम महादेव मंदिर में सभी सुखी हो सभी जन निरोगी हो, सब साथ मिलकर सामाजिक सदभाव से रहे ,इस पावन कामना से सभी यात्राएं संपन्न की गई।

नगर का नाम रोशन करने वाली छात्राओं को नपा अध्यक्ष श्रीमति अग्रवाल ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जब नगर का कोई व्यक्ति बड़ी उपलब्धि हासिल करता है तो निश्चित तौर नगर का गौरव बढ़ने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिनों घोषित हुये वोर्ड परीक्षा परिणामों में नगर के छात्र छात्राओं द्वारा अलग अलग शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करते हुये प्रदेश से जिला स्तर की सूचियों में अपना नाम शामिल कराते हुये दादा धूनी वाली नगर की गौरवता में चार चांद लगाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। नगर की शान गौरव इन छात्राओं को नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति अग्रवाल सहित अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि नगर के सेंट्रल पब्लिक एकेडमी में अध्ययनरत तीन छात्राओं द्वारा जिस प्रकार से जिले की टॉप सूची में अपना स्थान बनाते हुये जिस से गौरव बढ़ाया गया है इसी के चलते बीते हुये दिवस तीनों छात्राओं का नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती स्वाति जी अग्रवाल द्वारा नगरपरिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह पटेल, ओमप्रकाश पटेल , पार्षद प्रतिनिधि लोकेश कटहल सहित मुख्य नगरपरिषद अधिकारी रजक साहब की मौजूदगी में इन बेटियों को सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि यह प्रदेश के शिक्षा मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुये संस्थान ने अध्यक्ष को इस कार्यक्रम को गरिमामय संपन्न करने के लिए दिया साधुवाद । ज्ञात हो की सेंट्रल पब्लिक एकेडमी की प्रियंका पटेल ने कक्षा 12वीं pcm में संपूर्ण जिले में फर्स्ट रैंक प्राप्त की है एवं कक्षा दसवीं में नमामि पटेल एवं कंचन विश्वकर्मा ने जिले की सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया गया है।

दक्ष इंटरनेशनल स्कूल में एसडीएम द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के दक्ष इंटरनेशनल स्कूल में प्रत्येक कक्षा के शीर्ष 10 छात्र /छात्राओं को मेधावी छात्र प्रमाण पत्र सहित ट्रॉफी और पदक से सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि दक्ष 2026 विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और भाषा प्रदर्शनी में प्रत्येक कक्षा से सर्वश्रेष्ठ तीन प्रस्तुतियां देने वाले बच्चों को भी प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं सीबीएसई प्रथम बोर्ड के टॉपर्स को भी सम्मानित किया गया। ज्ञात हो की नगर के दक्ष इंटरनेशनल स्कूल ने सीबीएसई कक्षा 10 प्रथम बोर्ड परीक्षा में 100% परिणाम प्राप्त किया है। जिसमें टॉपर ने 90% अंक प्राप्त किए हैं । इस पुरस्कार समारोह की मुख्य अतिथि अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती कलावती ब्यारे ने सभी छात्र/छात्राओं को अपना मार्ग दर्शन देते हुये उज्जबल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान उन्होनें अपनी व्यक्तिगत यात्रा साझा करते हुए बच्चों को कड़ी मेहनत करने, बेहतर इंसान बनने और समाज को कुछ वापस देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान एस डी एम ने नगर के दक्ष इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों के और समाज के प्रति सेवा भाव और गैर-व्यावसायिक सोच और प्रयास की सराहना की । इस अवसर पर दक्ष स्कूल के मेंटर चैतन्य यादव ने सभी शिक्षकों और अभिभावकों को बच्चों के शानदार रिजल्ट लिए बधाईयाँ दीं। स्कूल के प्रधानाध्यापक पी. के. चौधरी ने एसडीएम को स्कूल में बेटियों के लिए मुफ्त एडमिशन, ए ऑय लैब और स्कूल में ही मुफ्त टूयूशन जैसी कई अन्य सुबिधाओं से अवगत करवाया। इस दौरान संस्था प्रमुख चैतन्य यादव ने अनुविभागीय अधिकारी द्वारा अपनी संस्था के बच्चों के लिये दिये गये अपने बहुमूल्य समय के लिये आभार व्यक्त किया गया।

सुअरों के विचरण पर नियंत्रण न लगने से शहर में फैला रहा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। स्वाईन फ्लू जैसी जानलेवा बीमारी के वायरस फैलाने में अहिम माने जाने वाले सुअरो के खुलेआम विचरण पर प्रभावी नियंत्रण न लगने का परिणाम है कि सैकड़ो की तादाद में रोज नगर में सुअर झुंड के रूप में घूमते हुए देखे जा रहे है तथा इस स्थिति के चलते लोगों दहशत फैला रहे है कि कही इस समय चल रही भीषण गर्मी मौसम में स्वाईन फ्लू वायरस अपनी आमद न दे डाले? क्योंकि नगर में जहां तहां घूमने वाले इन सुअरों से मुक्ति मिलना फिलहाल शहरवासियों को कठिन जान पड़ रहा है। गौरतलब है इन दिनों नगर के वार्डो, कालोनियो सहित शुक्रवारा सब्जी बाजार में तो सुअरों की उन्मुक्त विचरण लीला लगातार जारी है ही साथ ही सुअरो ने अब शहर लोगों के घरों के पास भरे रहने वाले पानी में भी अड्डा बनाने से नही चूक रहे है। जिसके चलते निश्चित तौर से यह भ्रमण करने वो सुअर शहर में गंदगी फैलाने के साथ साथ बीमारियों को जन्म देते हुये जान पड़ रहे है। कुछ इसी प्रकार से नगर की गल्ला मंडी के एक शेड के पीछे बड़े गड्ढे में पानी भरा रहने से वह सुअरो की शायद पसंद आ गया है। इसलिए इस गड्ढे में रात दिन सुअरों का जमावड़ा लगा रहता है और मौका मिलते ही ये अनाज की ढेरियों के पास पहुँच किसानों को परेशानी में डाल देते है। नगर के शुक्रवारा बाजार के पास सब्जियो की दुकानें लगाने वालों का कहना है कि आवारा सुअरो के विचरण से उन्हे सब्जियो की सुरक्षा करनें मुश्किल हो रहा है। शहर के वाहन मालिकों ने बताया कि चौराहो से लेकर मुख्य सड़कों पर सुअरों के घूमने से यातायात व्यवस्था पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। वही दूसरी ओर कभी कभी देखा जाता है कि इन सुअरो की धमाचौकड़ी से वाहन चलाना भी मुश्किल होने के साथ उनकी जिन्दगी खतरे से खाली नही रह पाती है। इसी तरह मस्जिद, मंदिरो के इर्द गिर्द प्रतिदिन शूकरो के घूमने से इन पवित्र जगहो पर जाने में भी श्रद्धालुओं को दिक्कत हो रही है। जिसके चलते अब यह सुअर जहां सभी वर्ग के लोगों को परेशानी का कारण बनते हुये देखे जाने लगे है। मगर इसके बाद भी नपा प्रशासन द्वारा इन सुअरों के भ्रमण पर अंकुश लगाने के लिये कोई उचित कदम नही उठाये जाने से लग रहा है कि शायद अब शहरवासियों को किसी नई बीमारी से जंग लड़ने के साथ साथ स्वाईन फ्लू की महामारी से भी जूझने के लिये मजबूर होना पड़ेगा।

शासकीय कार्यालयों में किराये से लगाने वाले वाहनों में शासन के नियमों को किया जा रहा नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। आबादी के बढ़तो दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है,जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है जिसको लेकर देखा जाता है कि प्रशासन द्वास वाहन चैकिंग के नाम पर कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है। वही गौर किया जावे तो बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराये से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है, मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरासर परिवहन नियमों की अवहेलना हो रही है वही एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है। वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व मे भी कमी आ रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप,मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य होता है। गौर किया जावे तो परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली,शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित करते हुये जान पड़ रहे है।

शासकीय चिकित्सालय की बाउंड्री के पास शारबियों की जमघट से हो रही परेशानी?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। आये दिन स्थानीय पुलिस थाने में आयोजित होने वाली बैठकों में पुलिस अधिकारियों द्वारा नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए बड़ी बड़ी बाते तो की जाती है? मगर यदि उन्हें सच्चाई में देखा जावे तो सिर्फ वह बाते उसी बैठक तक ही सीमित होती हुई नजर आती है? इस बात की सच्चाई वर्तमान में नगर में दिखाई दे रही है, लोगों का कहना है कि स्थानीय खेल ग्राउंड व स्थानीय शासकीय चिकित्सालय के पास बनी नई बाउन्ड्री बाल के पास प्रतिदिन शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है,जिसके कारण इन स्थानों से निकलने वाले लोगों को जहा परिशानियों का सामना करना पड़ता है। वही यदि इस मार्ग से कोई भूल बस महिलाओं का निकलना होता है तो इन शराबियों की छीटाकशी के चलते उसे अपमानित तक होना पड़ता है? वही शासकीय चिकित्सालय की बाउन्ड्री के पास लग रहे शराबियों के जामवड़ा से तो वहा निवास करने वाले लोगों को परेशानी उठाना ही पड़ रही है, तथा दूसरी ओर पास में बने बंजारी माता पर दर्शन करने जाने वाली माँ बहिनों को भी इनको मनचनों की छीटाकशी का शिकार होकर अपमान का कड़वा घूट पीना पड रहा है? जब भी बैठक का आयोजन होता है तो पुलिस अधिकारियों द्वारा शराबियों की मनमानी से निजात दिलाने के दाबे किये जाते है। मगर पुलिस बैठक के बाद उदासीन होकर मात्र तामशा देखते हुए नजर आती है? वर्तमान में इन शराबियों की हुड दग्ग लीला से शासकीय चिकित्सालय के पास निवास करने वाले लोगो परेशान हो रहे है मगर पुलिस को सूचना करने के बाद भी कोई कार्यवाही नही होने के कारण शराबियों की हौसले अपने सातवे आसमान पर दिखाई दे रहे है। अतः नगरवासियों द्वारा जिला पुलिस अधीक्षक से इस ओर ध्यान देने की अपेक्षा जताई जा रही है।

खबर संक्षेप

माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा में की गई लापरवाही, रोकी गई वेतन वृद्धि

डिंडौरी । परीक्षा केंद्र शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बाजाग में 12 वीं की छात्रा कुमारी आराधना गजेंद्र मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बजाग में परीक्षा केंद्र था। अंग्रेजी के विषय में परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र अध्यक्ष , सहायक केंद्र अध्यक्ष, पर्यवेक्षक के द्वारा छात्रा को पूरक कॉपी जारी की गई ,जबकि माध्यमिक शिक्षा मंडल के स्पष्ट निर्देश थे कि परीक्षा में पूरक काफी देने का प्रावधान नहीं है,। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने इस गलती को संज्ञान में लेते हुए छात्रा का परीक्षा फल रोका है । छात्रा को द्वितीय अवसर पर परीक्षा देना पड़ रहा है इस प्रकार की लापरवाही के कारण कलेक्टर महोदया की अनुशंसा पर चरण लाल मरावी केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष मंगरु लाल परस्ते ,कक्ष पर्यवेक्षक श्रीमती गोमती मरावी की एक-एक वेतन वृद्धि रोकी गई एवं कक्ष पर्यवेक्षक अनुग्रह दीप को चेतावनी पत्र जारी किया गया है।

जिला स्तरीय दावा आपत्ति निराकरण समिति की बैठक सम्पन्न

अनूपपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग अनूपपुर अंतर्गत ऑनलाईन माध्यम से आंगनबाडी कार्यकर्ता/सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे। खण्ड स्तरीय चयन समिति के अनुमोदन उपरांत महिला एवं बाल विकास के परियोजना अधिकारियों द्वारा अनंतिम सूची जारी की गई थी, जिसके विरूद्ध प्राप्त दावा आपत्तियों के निराकरण हेतु जिला स्तरीय दावा आपत्ति निराकरण समिति की बैठक 24 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। जिला स्तरीय दावा आपत्ति समिति की अध्यक्ष एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी, जिला पंचायत स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास समिति के सभापति भूपेंद्र सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते सहित सर्व-संबंधित तथा दावा आपत्ति कर्ता उपस्थित रहे।

जनगणना का स्वगणना पत्रक भरने ट्रेनर ने दी जानकारी

अनूपपुर। भारत की जनगणना-2026 के संदर्भ में ऑनलाइन स्व गणना प्रपत्र भरने के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में जनगणना निदेशालय भोपाल के प्रशिक्षक द्वारा जन जागरूकता के तहत जानकारी दी गई। जिला पंचायत सभागार में महिला बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी तथा सहयोगी हेतु जिला स्तरीय दावा आपत्ति के लिए जिले के विभिन्न अंचलों से आए लोगों को जनगणना के स्वगणना पत्रक भरकर ऑनलाइन क्रमांक को संधारित कर जनगणना के सर्वे के लिए आने वाले कार्मिक को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में बताया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी तथा जिला पंचायत महिला एवं बाल विकास समिति के सभापति भूपेंद्र सिंह, महिला बाल विकास विभाग के जिला परियोजना समन्वयक विनोद परस्ते उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों के निराकरण पर विशेष छूट

अनूपपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, अनूपपुर वृत्त अंतर्गत विद्युत उपभोक्ताओं के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु नेशनल लोक अदालत 9 मई को आयोजित की जाएगी। मध्यप्रदेश शासन ऊर्जा विभाग द्वारा 09 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के अवसर पर विद्युत प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष छूट योजना लागू की गई है। प्राप्त निर्देशों के अनुसार लोक अदालत में लंबित प्रकरणों में निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू, 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्री-लिटीगेशन स्तर पर आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं लिटीगेशन स्तर पर 20 प्रतिशत तथा आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी के तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छःमाही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

पंचायती राज दिवस पर हिनौता में जनभागीदारी और विकास का संदेश

डिंडौरी ।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर विकासखंड डिंडौरी की ग्राम पंचायत हिनौता में पंचायत भवन में कार्यक्रम का आयोजन उत्साह के साथ किया गया। आयोजन में जनप्रतिनिधि अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए।इस अवसर पर ग्रामीण स्वशासन पारदर्शिता और जनभागीदारी के महत्व को रेखांकित किया गया। ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीणों को पंचायत राज व्यवस्था के अधिकार और दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र की मजबूत नींव है जहां गांव के विकास कार्यों की योजना बनाकर उन्हें प्राथमिकता से लागू किया जाता है।

ग्रामीणों से अपील की गई कि वे ग्राम सभाओं में सक्रिय भागीदारी करें और गांव की आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्ताव रखें। अधिकारियों ने बताया कि शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को योजनाओं के क्रियान्वयन बजट प्रबंधन और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए अधिकार दिए गए हैं। इसके माध्यम से सड़क पेयजल बिजली शिक्षा स्वच्छता और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं का विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि पंचायत व्यवस्था के माध्यम से गांव का समग्र विकास संभव है और प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते ने जनभागीदारी को विकास का आधार बताते हुए जल संरक्षण और वृक्षारोपण पर जोर दिया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने जिले में जल संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और सोखता टैंक तथा रिचार्ज प्वाइंट निर्माण पर विशेष ध्यान देने की बात कही।इस दौरान पंचायत स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। विभिन्न योजनाओं में बेहतर कार्य के लिए चयनित कर्मचारियों को प्रमाण पत्र और पुष्पगुच्छ प्रदान किए गए।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही और सभी ने गांव के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया।

पीएससी परीक्षा को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक, निष्पक्ष संचालन के दिए निर्देश

डिंडौरी । जिले में आगामी 26 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली राज्य लोक सेवा आयोग एमपीपीएससी परीक्षा के सुचारु निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन को लेकर दिनांक 23 अप्रैल 2026 को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने की। इस दौरान जिले के समस्त केंद्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।बैठक में कलेक्टर ने नई परीक्षा प्रणाली एसओपी के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए निर्धारित नियमों का अक्षरशः पालन किया जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर समय से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के प्रवेश के दौरान सघन जांच (फ्रिस्किंग) की जाए तथा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय अवस्था में रखे जाएं और उनकी सतत निगरानी हो। परीक्षा हॉल में किसी भी प्रकार की अनुचित सामग्री, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

कलेक्टर ने केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों को अपने-अपने केंद्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखने तथा प्रश्नपत्रों एव ओएमआरं शीट की सुरक्षा हेतु निर्धारित प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि परीक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा कर रिपोर्ट कलेक्टर कार्यालय को भेजी जाए। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा के निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचें।इसके साथ ही राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र स्कैनिंग एवं एचएचएमडी मशीन से तलाशी जैसी नई जांच प्रक्रिया लागू की गई है, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर भाजपा का हमला, विपक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

डिंडौरी । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय डिंडौरी में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष लता एलकर मुख्य रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने पत्रकारों को संबोधित किया।लता एलकर ने कहा कि लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़ा घटनाक्रम देश की आधी आबादी के अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों के रवैये के कारण 131वें संविधान संशोधन विधेयक को पारित नहीं किया जा सका। इससे महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में बाधा उत्पन्न हुई है।उन्होंने कहा कि यह केवल एक विधेयक का मुद्दा नहीं बल्कि महिलाओं के अधिकार और भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। विपक्ष के इस रुख को महिलाओं के सम्मान के खिलाफ बताया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और अधिनियम को पारित कराने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि तीन तलाक से मुक्ति शौचालय निर्माण बैंक खाते और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार जैसे कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस घटनाक्रम को समझ रही हैं और आने वाले समय में इसका प्रभाव दिखाई देगा।

कम नामांकन पर 19 संस्था प्रमुखों को नोटिस, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

डिंडौरी । जिले में शैक्षणिक सत्र 2026 27 के लिए नर्सरी से 12वीं कक्षा तक शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित है। वर्तमान में जिले में लगभग 10 प्रतिशत नामांकन शेष होने पर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने नाराजगी जताई है।कम प्रगति वाले संस्था प्रमुखों को कार्य के प्रति उदासीनता और कर्तव्य के प्रति गंभीरता न बरतने का दोषी मानते हुए नोटिस जारी किए गए हैं। यह आचरण मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के विरुद्ध माना गया है। साथ ही मध्य प्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के उप नियम 9 के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।संबंधित संस्था प्रमुखों को दो दिवस के भीतर स्वयं उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संतोषजनक जवाब न मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।जिन संस्थाओं के प्रमुखों को नोटिस जारी किया गया है उनमें मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा बालक प्राथमिक शाला अमरपुर कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला शहपुरा अमर ज्योति हाई स्कूल अमरपुर उत्कृष्ट विद्यालय बजाग कन्या शिक्षा परिसर बजाग बिरासनी शिशु मंदिर माध्यमिक शाला गड़ासरई जवाहर नवोदय विद्यालय एकलव्य धमनगांव हाई स्कूल मडियारास उमावि मदर टेरेसा डिंडौरी पीएम श्री माध्यमिक शाला सुबखार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवसा पौड़ी माध्यमिक शाला गोपालपुर गोंडवाना कृषि आवासीय विद्यालय करंजिया उत्तर माध्यमिक विद्यालय गोरखपुर सांदीपनि विद्यालय खुडिया सरस्वती शिशु मंदिर मानिकपुर तथा पीएम श्री माध्यमिक शाला गाडासरई शामिल हैं।

एकलव्य विद्यालयों की समीक्षा में कलेक्टर सख्त, बिना अनुमति खर्च पर नोटिस

डिंडौरी । कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के प्राचार्यों और प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शैक्षणिक गतिविधियों विकास कार्य बजट और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।कलेक्टर ने प्राचार्यों से विद्यालयों की गतिविधियों प्राप्त बजट छात्र उपस्थिति शिक्षक और स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली। साथ ही समाचार पत्रों में प्रकाशित समस्याओं का संज्ञान लेते हुए विकास कार्यों और वित्तीय अधिकारों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समिति की स्वीकृति के बिना किसी भी प्रकार का व्यय नहीं किया जाए। डिंडौरी बजाग करंजिया शहपुरा और मेहंदवानी के विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिए गए कि वे अपने विद्यालयों के विकास कार्य और अन्य गतिविधियों के प्रस्ताव तैयार कर समिति के समक्ष प्रस्तुत करें। पूर्व वर्षों की जानकारी समय पर न देने पर प्राचार्यों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शहपुरा के प्राचार्य के बिना सूचना अवकाश पर रहने और बैठक में अनुपस्थित रहने पर भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।छात्र उपस्थिति की समीक्षा में डिंडौरी में 480 में से 477 शहपुरा में 480 में से 428 मेहंदवानी में 480 में से 450 तथा करंजिया में 480 में से 478 छात्र उपस्थित पाए गए। इस पर कलेक्टर ने शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में अपर कलेक्टर जे पी यादव सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेन्द्र कुमार जाटव बीईओ और संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध मुरूम उत्खनन से सड़क निर्माण , शासन को नुकसान

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत निर्माण कार्य के दौरान अवैध मुरूम उत्खनन का मामला सामने आया है। निर्माण कार्य कर रही मे. जैन कंस्ट्रक्शन कंपनी, गोटेगांव पर बिना खदान स्वीकृति के मुरूम निकालकर उपयोग करने के आरोप लगे हैं।हल्का पटवारी द्वारा मौके से खदान स्वीकृत न होने की जानकारी दी गई। बताया गया कि पटवारी के अनुपस्थित रहने पर ग्राम कोटवार मुकेश धुर्वे को स्थल पर भेजा गया, जहां पहुंचने से पहले ही जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर हटाए जा चुके थे। इससे यह संकेत मिला कि कार्य बिना वैध अनुमति के किया जा रहा था।अवैध उत्खनन के कारण शासन को राजस्व की क्षति पहुंचने की बात सामने आ रही है। क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी इसी तरह की गतिविधियों की शिकायतें मिल रही हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।नायब तहसीलदार अमरपुर सुरभि सुलाखे ने बताया कि मामले की जानकारी पहले भी मिली थी। हल्का पटवारी को जांच के लिए भेजा गया था। उन्होंने कहा कि अवकाश से लौटने के बाद मामले की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में दो दिवसीय जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन

अमरपुर

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन एवं रासेयो प्रभारी डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में दो दिवसीय जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सीमा डावर ने जल गंगा संवर्धन की महत्व को बताते हुए कहा कि इस पृथ्वी पर वास करने वाले प्रत्येक जीव जंतु एवं पौधों आदि की जीवनकाल जल पर निर्भरता सुनिश्चित हैं। हमारे जीवन में जल की हर एक बूंद महत्वपूर्ण हैं जिसे हम सभी को यह जलीय स्रोत जैसे नदी, तालाब, झरने, झील आदि को संरक्षित कर जल संवर्धन करने के लिए ध्यानाकर्षित किया गया। स्टॉफ में कैलाश प्रसाद लखेरा एवं सुश्री हुस्नआरा अंसारी ने भी अपने व्याख्यान में कहा की भारतीय परंपरा के अनुसार हम सभी भारत के निवासी यह जलीय स्रोतों को आस्था के रूप में पूज्यनीय मानते रहे हैं। क्योंकि हमारे जीवन में यह जलीय स्रोत किसी भी प्रदेश एवं देश की आर्थिक विकास की जीवन रेखा होती हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के तहत निबंध लेखन, पोस्टर, स्लोगन, रंगोली एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के माध्यम से जल गंगा संवर्धन का संदेश प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ आशीष कुमार मरावी, डॉ. निगहत खान, डॉ. निधि सिंह, समीर धुर्वे, कमलेश वास्पे, ओमकार वाटिया एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

ग्राम गुतलवाह में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

डिंडौरी । डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में ग्राम गुतलवाह शहपुरा में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया।शिविर में कुल 117 मरीजों की ओपीडी की गई। इसके साथ 17 जांच 7 आयुष्मान कार्ड 57 सिकल सेल जांच 3 गर्भवती माताओं की जांच 12 आयुष उपचार 2 आरबीएसके बच्चों की जांच 2 कुपोषित बच्चों की जांच 77 बीपी जांच 53 शुगर जांच तथा 53 अन्य लैब जांच की गई।शिविर में मरीजों का उपचार कर आवश्यक परामर्श दिया गया और दवाइयों का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में बीएमओ डॉ रत्नेश द्विवेदी रोशन रैदास बीसीएम सीएचओ तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी बताया और ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की अपेक्षा जताई।

जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटि सुधार के नाम पर वसूली के आरोप

अमरपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर एक बार फिर अनियमित्ताओं और मनमानी को लेकर सुर्खियों में हैं। यहां जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटि सुधार के नाम पर हितग्राहियों से अवैध वसूली किए जाने के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना हैं कि मामूली सुधार के लिए भी 250 रूपए से लेकर 1500 रूपए तक की मांग की जा रही हैं। इसके बावजूद हफ्तों चक्कर लगाने पर भी मामूली सी सुधार कार्य नहीं हो पा रहा। मामले में एक हितग्राही ने बताया कि उसके बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र में पिता के नाम में त्रुटि हैं। जिसे सुधारवाने के लिए वह कई दिनों से अस्पताल के चक्कर काटने पर मजबूर हो रहे हैं। आरोप हैं कि संबंधित कंप्यूटर ऑपरेटर ने पहले पैसे की मांग की और बाद में एफिडेविट बनवाने के नाम पर टालमटोल करता रहा। जिसके परिणामस्वरूप बच्चा स्कूल में प्रवेश से वंचित हो रहा हैं। साथ ही ग्रामीणों ने यह भी बताया कि दो-दो माह बीतने के बाद भी कई लोगों के जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए हैं। इससे मजदूरी और कामकाज छोड़कर बार-बार अस्पताल आने को मजबूर होना पड़ रहा हैं। गौरतलब हैं कि इससे पहले भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे मशीन की लापरवाही शिशु वार्ड में अव्यवस्था और अन्य मामलों को लेकर शिकायतें सामने आ चुकी हैं। परंतु जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की हैं।

डिंडोरी में बाल विवाह पर सख्त निगरानी मार्च से अब तक 28 विवाह रोके गए

डिंडोरी । जिले में बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत मार्च से अब तक 28 बाल विवाह रुकवाए गए हैं।महिला एवं बाल विकास विभाग की रेस्क्यू टीम को जैसे ही बाल विवाह की सूचना मिलती है टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करती है। परिजनों को समझाइश दी जाती है कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा बालक की 21 वर्ष होने पर ही विवाह वैध माना जाता है।विभाग द्वारा बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों और दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी भी दी जा रही है जिससे अधिकांश परिवार स्वयं विवाह रोकने के लिए तैयार हो जाते हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोरी विकासखंड में 13 समनापुर में 2 अमरपुर में 1 शहपुरा में 2 मेहंदवानी में 5 बजाग में 2 तथा करंजिया में 3 बाल विवाह रोके गए हैं।इस अभियान में जिला और ब्लॉक स्तर की रेस्क्यू टीम वन स्टॉप सेंटर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और पुलिस विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सभी टीमों के समन्वय से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में सहयोग करें। किसी भी संदिग्ध स्थिति की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या वन स्टॉप सेंटर हेल्पलाइन 7828195167 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाती है और सहयोग करने वालों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।वर्तमान में विवाह के शुभ मुहूर्त चल रहे हैं जिससे समारोहों की संख्या बढ़ी है। ऐसे समय में गांव स्तर पर सक्रिय सूचना तंत्र और मीडिया की जागरूकता भी बाल विवाह रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रशासन की निगरानी और जनभागीदारी से जिले में इस कुप्रथा पर नियंत्रण देखने को मिल रहा है।

खबर संक्षेप

चौरसिया समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 25 एवं 26 अप्रेल को

तेंदूखेड़ा। आगामी 25 एवं 26 अप्रेल को चौरसिया समाज का विवाह योग्य युवक युवती परिचय एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन सागर में किया जा रहा है। प्रत्येक नव युगल को 21 हजार रुपए नगद राशि प्रदान की जायेगी।साथ ही सामाजिक पत्रिका भी निकाली जाएगी तथा समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जायेगा। राष्ट्रीय प्रांतीय कार्य समीति की बैठक भी आयोजित होगी।सभी स्वजातीय बंधुओं से उपस्थिति की अपील जीवेश चौरसिया कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा की गई है।

विचार गोष्ठी का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विश्व बंधुत्व एवं मानवता के पैगंबर स्वामी सदानंद की पुण्य तिथि पर विचार गोष्ठी का आयोजन एवं वरिष्ठ नागरिक उत्सव मंच का उद्घाटन भी 25 अप्रैल को शाम 5 बजे एकता वाटिका सच्चिदानंद आश्रम किया जा रहा है। समन्वय परिवार एवं सच्चिदानंद आश्रम ने सभी से उपस्थित अपील की है विदित हो कि स्वामी सदानंद कहा करते थे कि हम सबके पिता एक हैं। प्रेम ही धर्म और सेवा ही पूजा।

अभाविप द्वारा वंदे मातरम रथ यात्रा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला इकाई द्वारा वंदे मातरम यात्रा का समापन कार्यक्रम दिनांक 23 अप्रैल 2026 को आयोजित किया गया जिसमें स्थानीय सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर पहुंचने पर पुष्प वर्षा कर स्वागत एवं भारत माता का पूजन अर्चन संस्था प्राचार्य आनंद मोहन कुर्मी प्रभारी प्रधानाचार्य तुलसीराम पाराशर वरिष्ठ आचार्य नरेंद्र सिंह राजपूत, राम शंकर पटेल, श्रीमती सोमजया मिश्रा, ईश्वर दास बैरागी द्वारा किया गया विद्यालय आचार्य परिवार एवं छात्र- छात्राओं ने उक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होकर संपूर्ण वंदे मातरम गीत का भावात्मक शैली में सरस गायन किया संस्था प्राचार्य श्री कुर्मी द्वारा वंदे मातरम रथ यात्रा संयोजक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पदाधिकारी संदीप मुस्करया प्रिंस तिवारी व अन्य सदस्यों द्वारा आयोजित की गई।

भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को भारतीय किसान संघ जिला इकाई ने कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री के नाम एसडीम को ज्ञापन सौंप कर समस्याओं के शीघ्र निदान की मांग की। भारतीय किसान संघ ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि प्रांत के सभी जिलों में सैटेलाइट सर्वे की विफलता के कारण फसलों के सत्यापन में विसंगति से स्लॉट बुकिंग नहीं हो पा रही है। अतः पटवारियों के सत्यापन को अंतिम मान्यता देकर स्लॉट बुकिंग हो, मिश्रित स्लॉट बुकिंग 2:1 छोटे एवं बड़े किसानों के अनुपात में व्यवस्था शीघ्र प्रारंभ की जाए। स्लॉट बुकिंग की समय सीमा 10 मई तथा खरीद की समय सीमा 20 मई तक बढ़ाई जाए। पराली नरवई जलाने के नाम पर किसानों पर प्रकरण दर्ज करने व जुर्माना लगाने का दमन चक्र बंद किया जाए। स्लॉट बुकिंग की साइट रात में खुलने के कारण बुकिंग में परेशानी आ रही है। अतः साइट दिन में खोली जाए, गेहूँ खरीदी खुली धूप में होने के कारण किसानों को परेशानी हो रही है।

महिलाओं के अधिकारों पर वार कांग्रेस है जिम्मेदार: श्रीमती दुबे

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक के मार्गदर्शन में प्रदेश प्रवक्ता पैनलिस्ट श्रीमती प्रियंका दुबे के द्वारा महिला जन आक्रोश पत्रकार वार्ता की गई। उक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि महिला आरक्षण पर कांग्रेस एवं विपक्ष द्वारा नकारात्मकता के साथ महिला हितों पर प्रहार किया गया है। नारी शक्ति वंदन विधेयक को जिस तरह सदन में रोका गया, उससे स्पष्ट है कि वे नहीं चाहते कि देश की महिलाओं को उनका हक मिले। लेकिन अब हमारी बहनें चुप नहीं बैठेंगी वे

अवैध कटाई में भागीदारों पर कब होगी कार्रवाई

2 माह में वन विभाग नहीं कर पाया जांच

वन विभाग की कार्रवाई एवं जांच में संदेह बरकरार

रिश्तेदारी निभाते प्रतीत हो रहे अधिकारी

अवैध सागौन जब्ती का मामला

खाना पूर्ति सिद्ध हो रही कार्रवाई

एक पर कार्रवाई बांकी को अभयदान,वन विभाग का कारनामा

जांच के नाम पर दोषियों को छूट रहा पसीना

अधिकारी को रिश्तेदारी पड़ सकती है भारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। वन विभाग द्वारा बीते दो माह पूर्व बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। आरोपी के पास से अधिकारियों की निगरानी बड़ी मात्रा में अवैध सागौन जब्त कर दुकान को शील कर मामले को जांच में लिया गया। लेकिन दो माह बीत जाने के बाद भी विभाग कोई नतीजे पर नही पहुंच सका और ना ही दोषियों पर कार्रवाई हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विभागीय जांच अभी जारी है। अब विचारणीय है कि विभाग द्वारा जांच मे इतना समय क्यों लगाया जा रहा है। वही दो वन कर्मियों को वीट से हटाकर दूसरी जगह कर दिया लेकिन जांच अभी भी पूरी नही हो सकी। उक्त मामले को लेकर विभाग के अंदर खाने में कुछ गूढ़ रहस्य होने की संभावना प्रतीत हो रही है। अब देखना होगा की जांच मे क्या सामने आता है। हालांकि उक्त मामले की पूरी जांच एसडीओ वन विकास शर्मा की निगरानी में की जा रही है। सभी को जांच रिपोर्ट का बेसब्री से इंतजार है।

ये रहा पूरा मामला

एसडीओ वन विभाग की निगरानी में बीते फरवरी माह में वन परिक्षेत्र करेली के बरमान चौराहा स्थित दीपक यादव की फर्नीचर मार्ट से वन विभाग द्वारा 10 घन मीटर अवैध सागौन के लठ्ठे चिरान सिल्ली व अन्य सामग्री जब्त की गई। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 10 घन मीटर अवैध सागौन के साथ एक वाहन जब्त किया गया। वन विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए फर्नीचर मार्ट की दुकान आरा मशीन सहित अन्य सामग्री को सील किया गया। आरोपी द्वारा दुकान के तल घरे मे लकड़ी को छुपाकर रखा गया था वन विभाग द्वारा आरोपी से पूछताछ भी की गई। उक्त मामले को लेकर अन्य लोगों से पूछताछ की गई। कार्रवाई के दौरान वन विभाग द्वारा अवैध लकड़ी लाने के स्त्रोतों का पता लगाए जाने को लेकर कार्रवाई की जा रही है। जिसका कोई अता पता नही चला। वन विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जांच पूर्ण ना होने के कारण अभी आगे की कार्रवाई नही हो सकी है अब देखना होगा है उक्त कार्रवाई मे कौन कौन दोषी सिद्ध होता है। फिलहाल जांच रिपोर्ट का आने का इंतजार किया जा रहा है।

उसरी वीट की जांच क्यों नहीं

वन विभाग द्वारा की गई कार्रवाई के बाद मामला जांच में है विभाग के अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है। जांच के नतीजे अभी तक सामने नही आए लेकिन विभाग द्वारा की जा रही में अनेकों चर्चाएं सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार विभाग द्वारा दो वन कर्मियों को स्थानांतरित किया गया है। रातामाटी वीट से लगी हुई उसरी वीट है जिनमे आने जाने का रास्ता भी है वन विभाग द्वारा रातामाटी वीट की जांच की जा रही है लेकिन उसरी वीट का जांच मे कोई उल्लेख नही है। जबकि सूत्रों के अनुसार रातामाटी में हुई कटाई में उसरी वीट का क्षेत्र भी शामिल हो सकता है। अवैध परिवहन में के दौरान आरोपियों द्वारा उसरी वीट से होकर निकलने वाले रास्ते का भी उपयोग किया जा सकता है तो उसरी वीट की जांच भी कराई जानी चाहिए। उसरी वीट मे पदस्थ वनकर्मी दिनकर शर्मा लंबे समय से है। विभाग को चाहिए की संदेह मे रखकर उसरी वीट भी जांच कराई जानी चाहिए। हालांकि दो वीट मे कटाई पाए जाने पर सहायक परिक्षेत्र अधिकारी महेश पटेल की भी जांच होनी चाहिए लेकिन विभाग द्वारा उनसे ही जांच कराई जा रही है। जो समझ के परे है। सूत्र तो यह भी कहते है कि अधिकारी से रिश्तेदारी होने के कारण उसरी वीट को जांच से बचाया गया है। सूत्रों के अनुसार आरोपियों द्वारा तीनों वीटों का नाम लिया गया था और विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए दो नाकेदारों पर कार्रवाई कर दी गई। वही तीसरे का अभयदान दे दिया गया। सूत्र बताते है कि नाकेदार को वन परिक्षेत्र अधिकारी से रिश्तेदारी का पूरा फायदा मिला और उन पर कार्रवाई नही की गई।

जांच के नाम पर लटका मामला

सूत्रों के अनुसार दीपक यादव की फर्नीचर मार्ट से जब्ती के बाद आरोपियों को ब्यान लिया गया। वन विभाग द्वारा शेष कार्रवाई के लिए मामले की जांच प्रारंभ की गई दो माह बीत जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा जांच मे सामने आए तथ्यों के आधार पर कोई कार्रवाई की गई और ना ही अन्य लोगों को दोषी बनाया गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच के दौरान लगभग 17 लोगों को ब्यान दर्ज किए जा चुके है एवं आरोपी के पास से सागर, छिंदवाड़ा, सिवनी आदि जिलो से भी लकड़ी परिवहन हुई है। अब देखना होगा कि वन विभाग द्वारा की गई। जांच में क्या सामने आता है। हांलाकि जांच टीम मे अनुभवी अधिकारियों को टीम में शामिल किया गया था। जांच प्रतिवेदन के उपरांत क्या सामने आता है यह बात भविष्य के गर्त मे समायी हुई है। जबकि आरोपियों द्वारा कार्रवाई के दौरान अन्य वनकर्मियों की मिलीभगत की बात कही गई थी जिन पर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार आरोपियों द्वारा नाम लिए जाने के बाद संबंधित कर्मचारियों द्वारा अपनी रिश्तेदारी व रसूख के बल पर कार्रवाई होने से बचा लिया गया है।

इनका कहना है

मामले की जांच जारी है आरोपी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों का भी सत्यापन किया जा रहा है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद आगे की कार्रवाई की जावेगी। दोषियों को छोड़ा नही जावेगा।

विकास शर्मा, एसडीओ वन

पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पत्रकारों द्वारा कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन मे उल्लेख किया गया है कि जिले में पदस्थ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के एक वायरल वीडियो को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। वीडियो में सीएमएचओ द्वारा जिले के पत्रकारों पर नकारात्मकता फैलाने का आरोप लगाए जाने के बाद पत्रकारों में व्यापक आक्रोश देखने को मिला है। इसी संदर्भ में जिले के समस्त पत्रकारों ने एसडीएम को कलेक्टर परिसर में ज्ञापन सौंपते हुए कई गंभीर मांगें रखीं। पत्रकारों ने अपने ज्ञापन में स्पष्ट कहा है कि यदि किसी विशेष पत्रकार पर आरोप हैं तो उसका नाम सार्वजनिक किया जाए, न कि पूरे पत्रकार समुदाय को कटघरे में खड़ा किया जाए। साथ ही उन्होंने सीएमएचओ से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने या अपने शब्द वापस लेने की मांग भी की है। मामले में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा जारी पत्र पर भी पत्रकारों ने कड़ी आपत्ति जताई है। उनका आरोप है कि पत्र की भाषा से षड्यंत्र की दुर्गंध आती है, जिसकी वे घोर निंदा करते हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सीएमएचओ द्वारा यह कहना कि पत्रकारों की वजह से डॉक्टर मरीजों का इलाज नहीं कर रहे और सीधे जबलपुर रेफर कर रहे हैं, पूरी तरह अनुचित है। पत्रकारों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी विभाग की है और उसकी विफलताओं का ठीकरा पत्रकारों पर फोड़ना उचित नहीं है। पत्रकारों ने जिला चिकित्सालय में पदस्थ सभी डॉक्टरों की सूची सार्वजनिक करने की मांग की है। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि कई शासकीय डॉक्टर निजी क्लीनिक और नर्सिंग होम का संचालन कर रहे हैं। इस पर तत्काल प्रभाव से नियम अनुसार कार्रवाई करने और एक विशेष टीम गठित कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। विगत दिनों नीलेश मिश्रा की पुत्री शुभांगी की कथित गलत इलाज के कारण हुई मृत्यु के मामले में भी निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई है। पत्रकारों ने पूछा है कि संबंधित अस्पताल जगदीश हॉस्पिटल की अनुमति किस श्रेणी में है और वहां किस प्रकार का उपचार किया जा रहा है। साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि बच्ची का इलाज करने वाला नर्सिंग स्टाफ योग्य था या नहीं।ज्ञापन में जिले के सभी नर्सिंग होम, क्लीनिक, पैथोलॉजी लैब और सोनोग्राफी केंद्रों की सूची सार्वजनिक करने की मांग भी शामिल है। इसके अलावा बाहर से आने वाले डॉक्टरों की जानकारी साझा करने और निजी अस्पतालों में कार्यरत नर्सिंग स्टाफ को नियम अनुसार वेतन दिलाने की भी मांग उठाई गई है। पत्रकारों ने प्रशासन से मांग की है कि इन सभी बिंदुओं पर पारदर्शिता बरती जाए और जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

कायस्थ समाज ने मनाया भगवान चित्रगुप्त की जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस पाप पुण्य के लेखक भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्योत्सव पर कायस्थ समाज द्वारा पूजन एवं वाहन रैली का आयोजन किया गया। जिसमें दोपहर 2 बजे यादव कॉलोनी स्थित देव चित्रगुप्त मंदिर में पूजन एवं सत्यनारायण भगवान की कथा हुई। इसके पश्चात सामाजिक गतिविधियों पर विमर्श हुआ। द्वितीय चरण में शाम 5 बजे वाहन रैली सम्पन्न हुई। मंदिर से प्रारंभ हुई रैली बाहरी रोड होते हुए स्टेशन गंज पहुंची, स्टेशन के पश्चात मुख्य मार्ग से होते हुए नरसिंह भगवान के मंदिर पहुंची यहां भोले मुंशी परिवार द्वारा रैली पर पुष्प वर्षा की गई। मंदिर प्रांगण में ही कायस्थ सभा के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव एवं महिला कायस्थ सभा की अध्यक्ष श्रीमती अनीता खरे का स्वागत अधिवक्ता भानु प्रकाश श्रीवास्तव, विष्णु श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव द्वारा किया गया। भगवान नरसिंह के दर्शन उपरांत रैली वापस चित्रगुप्त मंदिर में सम्पन्न हुआ।

कलश यात्रा के साथ प्राण प्रतिष्ठा एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

तेंदूखेड़ा। वैशाख मास के पावन अवसर पर संपूर्ण क्षेत्र में जगह जगह धार्मिक आयोजन जारी है।इसी श्रंखला के चलते समीपी ग्राम ईश्वरपुर में प्रतिष्ठित बसेडिया परिवार के द्वारा शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्री हित श्रेया किंकरी श्रेया किशोरी के मुखारविंद से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ।23 अप्रेल से 29 अप्रेल तक चलने वाले इस आयोजन में वेदाचार्य पं पुरुषोत्तम राजोरिया के निर्देशन में अनुष्ठानात्मक विविध आयोजन एवं दोपहर 2 बजे से शाम 05 बजे तक संगीतमय कथा होगी।30 अप्रेल को भंडारे के साथ समापन किया जायेगा।

ठेकेदारों की मनमानी के चलते तीन साल में नहीं बन सकी पानी की टंकी

पानी की समस्या से जूझ रहे सर्रा बंधी के वाशिंदे

तेंदूखेड़ा। विगत तीन साल पहले ग्राम पंचायत सर्रा बंधी में लाखों रुपए मूल्य की दो टंकियां स्वीकृत हुई थी लेकिन ठेकेदारों की चलती मनमानी पूर्ण कार्यशैली के चलते अभी तक टंकियों का निर्माण ना होने के कारण यहां के वाशिंदे बूंद बूंद पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। ग्राम की महिला सरपंच का कहना है कि पहले तो इन ठेकेदारों ने गांव की सभी सड़कें खोद डाली और निर्धारित मापदंडों को ताक पर रखकर ऊपर ही पाइप लाइन डाल दी जो इतनी घटिया किस्म की थी जहां तहां से टूटने लगी है। अनेकों बार पी एच ई विभाग के अधिकारियों को भी सूचित किया लेकिन आज कल करके ही आश्वासन दे दिया जाता है। उचित सुधार की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

बिगड़े डले हेडपंप

ग्राम वासियों का कहना है कि गांव में लगभग छः हेडपंप लगे हुए हैं इनमें दो हेडपंप बिगड़े हुए हैं।शेष चार हेंडपंपो में पर्याप्त पानी नहीं निकल पाने के कारण लोगों को यहां वहां भटकना पड़ता है। घरेलू निस्तार के साथ मवेशियों को पानी पिलाने को लेकर खेतों पर ले जाकर काम चलाना पड़ रहा है। ग्राम वासियों ने शीघ्र सुधार की मांग की है।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषण

रा.मा.क्र./261 अ-20 (1)वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 2, नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेली, प्लॉट क्र. 41/32 रकवा 3510 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता-गणेश कुमार आ. सूर्यकांत चतुवेंर्दी निवासी शास्त्री वार्ड कंदेली उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम / पिता / माता /पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है-गणेश कुमार आ. सूर्यकांत चतुवेंर्दी निवासी शास्त्री वार्ड कंदेली उक्त अनुसूची के अनुसार स्थाई पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 13/05/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

इश्तेहार आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर